प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान

पता–ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला, ज़िला बरेली (उ0प्र0) का

वार्षिक प्रगति विवरण वर्ष 2018–19

स्वैच्छिक संस्था प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, पता–ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला, जिला बरेली (उ0प्र0) की स्थापना दिनांक 01–01–1999 में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं बेरोजगार युवकों/युवतियों के लिये खादी ग्रामोद्योग, बच्चों को प्राथमिक स्तर से उच्च स्तर तक की शिक्षा एवं महिलाओं, बेरोजगार युवकों/युवतियों के लिये व्यवसायिक प्रशिक्षण, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला जागृति, वृद्धा कल्याण, दिव्यांगजन कल्याण, पर्यावरण कल्याण, पेयजल, बाल एवं युवा कल्याण दहेज़ एवं नशा उन्मूलन, सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम तथा गरीवों की सहायता के लिये कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्रीय जनता लाभान्वित करने हेतु की गयी है। इस संस्था का रजिस्ट्रेशन दिनांक–08–02–1999 को हुआ था, तभी से संस्था समाजसेवा के लगातार कार्य कर रही है। संस्था द्वारा वर्ष–2018–19 में संचालित कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूप–रेखा निम्नवत है :–

1. जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ:– संस्था द्वारा जिला बदायूँ के अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने हेतु दिव्यांगों के कल्याणार्थ जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ (DDRC) की स्थापना दिनांक–10 जून, 2014 में की गयी थी। इस केन्द्र द्वारा शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने का कार्य किया जाता है। ताकि जिला बदायूँ के दिव्यांग बन्धु अपनी अक्षमताओं को सक्षमता में बदलकर सामान्य मानव की भांति जीवन यापन कर सकें। यह जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (DDRC) दिव्यांगों के कल्याणर्थ भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय नई दिल्ली से 27 नवम्वर 2013 से अनुदानित है। लोकसभा चुनाव आचार संहिता के कारण DDRC का 10 जून, 2014 से विधिवत संचालन प्रारम्भ हुआ। संस्था जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (DDRC) में कार्यरत मनोवैज्ञानिक, प्रोस्थोटिक आर्थोटिक इंजीनियर, टैक्नीशियन आदि द्वारा अपने कर्मचारियों के माध्यम से जनपद के सभी ब्लाकों के दिव्यांगों का सर्वे किया जाता है, जिसमें शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों का चिन्हीकरण कर उनकी आवश्यकता के अनुसार उस दिव्यांग को किस कृत्रिम उपकरण,किस कृत्रिम अंग की आवश्यकता है। DDRC द्वारा एडिप स्कीम के अन्तर्गत संचालित कृत्रिम अंग सहायता केन्द्र के माध्यम से दिव्यांगों को कृत्रिम सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदान कर लाभान्वित कराया जायेगा है। इसके अतिरिक्त DDRC दिव्यांगों को प्रदान किये गये कृत्रिम सहायक उपकरण/अंग की मरम्मत करने का कार्य करता है। चिहिन्त दिव्यांगों के विकलांग प्रमाण–पत्र बनवाने एवं पेंशन हेतु आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु सहयोग प्रदान किया जाता है तथा चिन्हित मंद बुद्धि दिव्यांगों को DDRC द्वारा नियुक्त कर्मचारी द्वारा सांकेतिक शिक्षा के माध्यम से जीवन की दैनिक क्रियाओं से निवृत होने के जानकारी एवं पारिवारिक सम्बन्ध/जीवन को कैसे जिया जाये की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया जाता है।

वर्ष–2018–19 में 1212 दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण किया गया है। विगत वर्ष 2018–19 में DDRC में नियुक्त स्टाफ द्वारा 14 चिन्हित मंद बुद्धि दिव्यांगजनों को सांकेतिक शिक्षा के माध्यम से जीवन की दैनिक क्रियाओं से निवृत होने के जानकारी एवं पारिवारिक सम्बन्ध/जीवन को कैसे जिया जाये की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया गया है, 12 मूकवधिरों को स्पीचथैरेपिस्ट द्वारा शिक्षा साक्षरता प्रदान की गयी एवं फिजियोथैरेपिष्ट द्वारा चिन्हित 40 दिव्यांगों/ पीढ़ित लोगों को एक्सरसाइज़ एवं सिकाई कर लाभान्वित किया गया एवं 15 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ–पैर की मरम्मत, 10 दिव्यांगों के कैलीपर की मरम्मत

––2 पर

सचिव
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान
ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आँवला
जिला बरेली (उ0प्र0)

एवं 10 दिव्यांगों को नये कैलीपर प्रदान कर लाभान्वित किया गया तथा 205 दिव्यांगों को दिव्याांग प्रमाण–पत्र बनवाकर दिये। इस प्रकार वित्तीय वर्ष–2018–19 में 306 दिव्यांगों को लाभान्वित किया गया है।

2. कृत्रिम अंग सहायता केन्द्र बरेली :– इस संस्था का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों की अक्षमताओं को कम करना व उनके कैशल का विकास करना तथा आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना है। यह संस्था भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय द्वारा शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व अन्य सहायक उपकरण क्रय करके निःशुल्क वितरण हेतु वर्ष 2005–06 से अनुदानित है। संस्था भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय द्वारा स्वीकृत अनुदान से शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने की दृष्टि से ट्राइस्किल, व्हीलचेयर, बैसाखी, वॉकर, ब्रेलस्टिक बहरों को श्रण यन्त्र आदि शिविर के माध्यम से निःशुल्क प्रदान कर लाभान्वित करने का कार्य कर करती है। संस्था को भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय द्वारा वर्ष–2014–15 से वर्ष 2018–19 तक संस्था को एडिप स्कीम के अन्तर्गत जिला बरेली के लिये कोई अनुदान स्वीकृति प्रदान नहीं की गयी, फिर भी संस्था द्वारा वर्ष–2018–19 में अपने निजी श्रोतों से 25 जोड़ी बैशाखी क्रय करके शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों को निःशुल्क वितरित कर लाभान्वित किया गया है।

3–मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र बदायूँ:– संस्था द्वारा मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित विकलांगजन हेतु वर्ष–2016–17 में आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र बदायूँ की स्थापना की गयी। संस्था द्वारा 01 अक्टूबर, 2016 से संचालित इस आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र में 25 मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों को भोजन–भरण पोषण सहित समस्त आवासीय सुविधायें निःशुल्क प्रदान कर उन्हें उनके शारीरिक व मानसिक विकास के लिए कार्य किया जाता है। संस्था द्वारा मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों को मोमवत्ती व दौना–पत्तल बनाने का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। संस्था के चिकित्सक द्वारा प्रत्येक माह में आठ बार समस्त मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन का निःशुल्क चिकित्सीय परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन का संस्था के पार्ट टाईम चिकित्सक द्वारा चिकित्सकीय परीक्षण किया जाता है। वित्तीय वर्ष–2018–19 में 25 मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन को समस्त आवासीय व चिकित्सकीय सुविधायें एवं प्रशिक्षण प्रदान कर लाभान्वित किया गया है।

4–मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र चन्दौसी:– संस्था द्वारा मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन हेतु वर्ष–2018–19 में आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र चन्दौसी, जिला सम्भल की स्थापना की गयी। संस्था द्वारा 01 अप्रैल, 2018 से संचालित इस आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र में 25 मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों को भोजन–भरण पोषण सहित समस्त आवासीय सुविधायें निःशुल्क प्रदान कर उन्हें उनके शैक्षिक, शारीरिक व मानसिक विकास के लिए कार्य किया जाता है। संस्था द्वारा मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों को लिफाफा बनाने का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। संस्था के चिकित्सक द्वारा प्रत्येक माह में आठ बार समस्त मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन का निःशुल्क चिकित्सीय परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन का संस्था के पार्ट टाईम चिकित्सक द्वारा चिकित्सकीय परीक्षण किया जाता है। वित्तीय वर्ष–2018–19 में 25 मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन को समस्त आवासीय व चिकित्सकीय सुविधायें एवं प्रशिक्षण प्रदान कर लाभान्वित किया गया है।

-- 3 पर

सचिव
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान
ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आँवला
जिला बरेली (उ०प्र०)

5. स्वास्थ्य जागरूकता एवं परिवार कल्याण शिविरः—संस्था ने वर्ष 2018–19 में जिला बरेली के ब्लाक रामनगर के अन्तर्गत ग्राम फुन्दननगर, ग्राम गूजड़गांव, ग्राम बहोड़ा खेड़ा में स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। शिविर में संस्था के द्वारा बुलाये गये चिकित्सक ने शिशुओं में होने वाले रोग उनका निदान व बचाव पर विस्तृत चर्चा की। उन्होने जानकारी दी कि किस प्रकार बच्चों की बीमारी की प्रारम्भिक जानकारी होने पर माता व उसके संरक्षक उसका उपचार व बचाव कर सकते हैं। उन्होनें बच्चों को स्वास्थ रखने के तरीको का विशादवर्णन किया। बच्चों को तेज़ बुखार, खसरा, निमोनिया, पीलिया, सूखाग्रस्त आदि रोगों की चिकित्सा हेतु शीघ्र चिकित्सक की परामर्श से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रेरित किया गया। खास तौर पर पल्स–पोलियो की खुराक पिलाने हेतु भी जागरूक किया है। शिविर में टी.बी.रोग से पीड़ित महिला एवं पुरूषों को जागृत करने के लिए अवगत कराया गया कि टी.बी.रोग असाध्य रोग नहीं है जिसका इलाज न हो सके एवं उनके परिवारों को भी जागृत किया गया कि यह रोग छुआछूत का रोग नहीं है इसलिए समाज को इन्हें अपने समाज से दूर नहीं रखना चाहिये, बल्कि टी.बी.रोग से पीढ़ित मरीजों को सरकारी अस्पताल में उपलब्ध दवा डॉट का लगातार सेवन कराकर टी.बी. रोग से मुक्ति दिला सकते हैं। इसके अतिरिक्त शिविर में प्रतिभागियों को समझाया गया कि कुष्ठ रोग भी असाध्य रोग नहीं है जिसका इलाज न हो सके एवं उनके परिवारों को भी जागृत किया गया कि यह रोग छुआछूत का रोग नहीं है इसलिए समाज को इन्हें अपने समाज से दूर नहीं रखना चाहिये, बल्कि इन्हें सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध दवाओं (एम.डी.टी.) का सेवन कराकर इस रोग से मुक्ति दिलाएं। शिविर में असुरक्षित यौन सम्बन्धों से उपजने वाली बीमारी एड्स के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की और बताया कि असुरक्षित यौन सम्बन्धों से एड्स की लाइलाज बीमारी हो जाती है, जिसका अभी तक कोई उचित इलाज नही है और यह रोग मृत्यु का कारण बन जाता है। एड्स की रोकथाम के लिये शिविर के प्रत्येक व्यक्ति को जानकारी दी कि एड्स से बचाव किया जा सकता है, जिसके लिये कन्डोम का इस्तेमाल किया जाना अनिवार्य है, जिससे जनसंख्या वृद्धि पर भी रोक लगेगी और एड्स का भी खतरा नहीं होगा। शिविर में गर्भ निरोधक अपनाने तथा छोटे परिवार से होने वाले लाभ आदि की जानकारी से लाभान्वित किया है। संस्था ने उक्त शिविर में यौन शिक्षा, गर्भ रोकने के उपाय एवं प्रजनन के समय की सावधानियों आदि की जानकारी से ग्रामीण जनता को लाभान्वित किया है। शिविर में टीकाकरण की महत्ता बताते हुए ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं तथा बच्चों को सरकारी अस्पताल में उपलब्ध टीकाकरण की सुविधा का लाभ उठाने हेतु माता–पिता को प्रेरित किया गया। शिविर में लोगों का परीक्षण कर दवाईयां भी निःशुल्क वितरित की गयीं। शिविर में आये प्रतिभागियों को जलपान कराकर शिविर का समापन किया गया।

6. अनुसूचित जाति जागरूकता शिविरः—संस्था ने वर्ष 2018–19 में अनुसूचित जाति के महिला पुरूषों में जागृति लाने के लिये जिला बरेली के ब्लाक रामनगर के ग्राम श्यामनगर खनगांव, ग्राम मऊचन्दपुर, में अनुसूचित जाति जागरूकता शिविर का आयोजन किया। हजारो वर्षो से उपेक्षित व तिरस्कृत अनुसूचित जाति के मानवों को सम्बोधित करते हुऐ सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि आप लोग अपनी संतानो को पढ़ायें, ताकि वे पढ लिखकर उन्नति कर सकें। सरकारी सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उन्होनें पढ़ाई लिखाई, नौकरियों व जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन वर्गो को मिलने वाले अधिकारों के बारें में बताया। उन्होंने कहा कि हम अपने संस्कार विकसित कर किस प्रकार अपने परिवेश समाज को उन्नत कर सकते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के अमर वाक्य को उद्धृत करते हुऐ कहा "उन्तिष्ठ, जागृत, प्राप्य वशान्नि वोधत" उठो, जागो, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करो। कार्यक्रम में उक्त गांवों सहित अन्य अनेक दर्जनों गांवों के अनुसूचित जाति के नर–नारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम सफल रहा व सभी ने सराहना की। सभी प्रतिभागियों को जलपान कराया गया।

—— 4 पर

सचिव
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान
ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आँवला
जिला बरेली (उ०प्र०)

7. पर्यावरण कल्याण शिविरः– संस्था ने वर्ष 2018–19 में पर्यावरण के क्षेत्र में काफी योगदान दिया है। संस्था ने जिला बरेली के ब्लाक रामनगर के ग्राम बहोड़ा खेड़ा, ग्राम फन्दननगर में पर्यावरण कल्याण शिविर का आयोजन कर पर्यावरण को दूषित होने से बचाना, दूषित पर्यावरण से होने वाली बीमारी आदि की व्याख्या कर ग्रामीण जनता को जागरूक किया है एवं पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए लोगों को पेड़ पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया। संस्था द्वारा इस वर्ष एक सौ पेड़ लगवाकर भी ग्रामीण जनता को लाभान्वित किया गया है। शिविर में आये प्रतिभागियों को जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

8. दिव्यांगजन जागरूकता शिविर :– संस्था ने वर्ष–2018–19 में जिला बरेली के रामनगर ब्लाक के ग्राम मनौना, ग्राम दरामनगर में शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों को दिव्यांगता के सम्बन्ध में जागरूक किया कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं हैं, दिव्यांगता पूर्व जन्मों का फल भी नहीं है। यदि दिव्यांगजन सरकारी सहायता एवं समाजसेवी संस्थाओं में प्रवेश लेकर शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त करे तो वह आगे चलकर अपना जीवन सामान्य व्यक्ति से भी अच्छा व्यतीत कर सकता है। दिव्यांगता क्यों होती है उसके बचाव के तरीके भी शिविर के माध्यम से बताकर लाभान्वित किया गया तथा सरकारी योजनाओं एवं समाजसेवी संस्थाओं द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याणार्थ किये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तरित जानकारी देकर लाभान्वित किया। शिविर में आये प्रतिभागियों को जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

उक्त कार्यकमों की सहायता से समिति की कार्यकारिणी समिति ने क्षेत्र में एक उज्जवल छवि प्राप्त कर ली है तथा संस्था के कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। क्योंकि कार्यकर्ताओं को अपने कार्य के प्रति सफलता प्राप्त होती रही है।

दिनांक : 09–05–2019

(धर्मवीर सिंह)

सचिव

सचिव

प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान

ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आँवला

जिला बरेली (उ०प्र०)

प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान

ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला, ज़िला बरेली (उ0प्र0) द्वारा संचालित जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (उ0प्र0) की

प्रोजेक्ट रिपोर्ट वर्ष 2018–2019

जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र बदायूँ (DDRC):–स्वैच्छिक संस्था प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, पता–ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला, जिला बरेली (उ0प्र0) द्वारा जिला बदायूँ के अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने हेतु दिव्यांगों के कल्याणार्थ जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र बदायूँ (DDRC) की स्थापना दिनांक–10 जून, 2014 में की गयी थी। इस केन्द्र द्वारा शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने का कार्य किया जाता है। ताकि जिला बदायूँ के दिव्यांग बन्धु अपनी अक्षमताओं को सक्षमता में बदलकर सामान्य मानव की भांति जीवन यापन कर सकें। यह जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (DDRC) दिव्यांगों के कल्याणार्थ भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय नई दिल्ली से 27 नवम्बर 2013 से अनुदानित है। लोकसभा चुनाव आचार संहिता के कारण DDRC का 10 जून, 2014 से विधिवत संचालन प्रारम्भ हुआ। संस्था जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (DDRC) में कार्यरत साइक्लोजिस्ट, सीनियर प्रोस्थोटिक आर्थोटिक इंजीनियर, प्रोस्थोटिक आर्थोटिक टैक्नीशियन सीनियर व जूनियर फिजियोथेरेपिष्ट एवं जूनियर स्पीचथैरेपिष्ट आदि द्वारा अपने कर्मचारियों के माध्यम से जनपद के सभी ब्लाकों के दिव्यांगों का सर्वे किया गया है, जिसमें शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों का चिन्हीकरण कर उनकी आवश्यकता के अनुसार उस दिव्यांग को किस कृत्रिम उपकरण, किस कृत्रिम अंग की आवश्यकता है। DDRC द्वारा एडिप स्कीम के अन्तर्गत दिव्यांगों को कृत्रिम सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु योजना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त DDRC दिव्यांगों को प्रदान किये गये कृत्रिम सहायक उपकरण/अंग की मरम्मत करने का कार्य करता है। चिहिन्त दिव्यांगों के विकलांग प्रमाण–पत्र बनवाने एवं पेंशन हेतु आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु सहयोग प्रदान किया जाता है तथा चिन्हित मंद बुद्धि एवं गूंगे बहरे दिव्यांगों को DDRC द्वारा नियुक्त कर्मचारी द्वारा सांकेतिक शिक्षा के माध्यम से जीवन की दैनिक क्रियाओं से निवृत होने के जानकारी एवं पारिवारिक सम्बन्ध/जीवन को कैसे जिया जाये की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया जाता है।

वर्ष–2018–19 में 1212 दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण किया गया है। विगत वर्ष 2018–19 में DDRC में नियुक्त स्टाफ द्वारा 14 चिन्हित मंद बुद्धि दिव्यांगजनों को सांकेतिक शिक्षा के माध्यम से जीवन की दैनिक क्रियाओं से निवृत होने के जानकारी एवं पारिवारिक सम्बन्ध /जीवन को कैसे जिया जाये की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया गया है, 12 मूकवधिरों को स्पीचथैरेपिस्ट द्वारा शिक्षा साक्षरता प्रदान की गयी एवं फिजियोथैरेपिष्ट द्वारा चिन्हित 40 दिव्यांगों/ पीढ़ित लोगों को एक्सरसाइज़ एवं सिकाई कर लाभान्वित किया गया एवं 15 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ–पैर की मरम्मत, 10 दिव्यांगों के कैलीपर की मरम्मत एवं 10 दिव्यांगों को नये कैलीपर प्रदान कर लाभान्वित किया गया तथा 205 दिव्यांगों को दिव्याांग प्रमाण–पत्र बनवाकर दिये। इस प्रकार वित्तीय वर्ष–2018–19 में 306 दिव्यांगों को लाभान्वित किया गया है। ––2 पर

SECRETARY DDRO

DDRC Badaun

डी0डी0आर0सी0 बदायूँ द्वारा लगाये गये शिविर में चिहिन्त दिव्यांगों का विवरण

क्र.सं.	चिन्हीकरण दिनांक	स्थान का नाम	ब्लाक का नाम	चिन्हित दिव्यांग
1.	09.04.2018	ग्राम पंचायत रामपुर कलां कूंडा	दातागंज	30
2.	19.04.2018	ग्राम पंचायत बिशनपुरी	म्याऊँ	35
3.	25.04.2018	ग्राम पंचायत नवादा	सलारपुर	32
4.	30.04.2018	ग्राम पंचायत सतेती पट्टी	अम्बियापुर	39
5.	03.05.2018	ग्राम पंचायत बिनावर	सलारपुर	32
6.	11.05.2018	ग्राम पंचायत सिसौरा	उसावा	37
7.	17.05.2018	ब्लाक परिसर म्याऊँ	म्याऊँ	42
8.	23.05.2018	ब्लाक परिसर समरेर	समरेर	36
9.	29.05.2018	ग्राम पंचायत ढहरपुर कलां	दातागंज	32
10.	02.06.2018	ग्राम पंचायत कचलाघाट	उझयानी	31
11.	11.06.2018	ब्लाक परिसर उझयानी	उझयानी	37
12.	19.06.2018	ब्लाक परिसर सहसवान	सहसवान	35
13.	26.06.2018	ग्राम पंचायत मुजरिया	उझयानी	25
14.	03.07.2018	नगर पंचायत परिसर इस्लामनगर	इस्लामनगर	37
15.	09.07.2018	नगर पंचायत परिसर रूदायन	इस्लामनगर	25
16.	17.07.2018	ब्लाक परिसर जगत	जगत	41
17.	25.07.2018	ब्राम पंचायत उघैती	सहसवान	35
18.	04.08.2018	ब्लाक परिसर आसफपुर	आसफपुर	51
19.	10.08.2018	ग्राम पंचायत निज़ामुद्दीन शाह	आसफपुर	35
20.	17.08.2018	नगर पंचायत परिसर मुडिया धुरेकी	बिसौली	38
21.	25.08.2018	नगर पंचायत परिसर फैज़गंज	आसफपुर	22
22.	04.09.2018	ब्लाक परिसर बज़ीरगंज	बजीरगंज	45
23.	12.09.2018	ग्राम पंचायत ओरछी	आसफपुर	25
24.	19.09.2018	ग्राम पंचायत जखौलिया	बज़ीरगंज	35
25.	27.09.2018	ग्राम पंचायत नरैनी	बिसौली	27
26.	03.10.2018	ब्लाक परिसर दहगवां	दहगवां	35
27.	11.10.2018	ग्राम पंचायत भुसाया	इस्लामनगर	25
28.	30.10.2018	ग्राम पंचायत बनगड़	सलारपुर	25
29.	06.11.2018	ग्राम पंचायत रिजौला	उसावा	28

-- 3 पर

SECRETARY DDRO
DDRC Badaun

आर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिक विभाग
दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग/उत्तर प्रदेश/के सहयोग से
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान ग्राम बहोडाखेडा तहसील आँवला जिला बरेली
द्वारा संचालित
जिला दिव्याजन पुनर्वास के
विशाल दिव्याग प्रचार प्रसाद
जिला दिव्यागजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
मुख्य अतिथि :
श्री सन्तोष कुमार
Fire Fite
A
B
C

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग/उत्तर प्रदेश/के सहयोग से
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान ग्राम बहोडाखेडा तहसील ऑवला जिला बरेली
द्वारा संचालित
जिला दिव्याजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
स्थान:-
दिव्यागजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:36

विशाल दिव्याग प्रचार प्रसाद शिविर
स्थानः-
दिव्यागजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
मुख्य अतिथि :
श्री सन्तोष कुमार
अधिकारी, बदायूँ
संचालित पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
दिनांक
अप्रैल 2018 समयः प्रातः 11.00
धर्मवीर सिंह
संस्था सचिव
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:36

Shot on realme 3i

6
स्टोर रूम

स्टोर रूम
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:40

कार्यालय
①
Shot on realme 3i

BRAILLE ALPHABET
Shot on realme 3i

स्टोर रूम
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:40

स्टोर रूम
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:40

स्टोर रूम
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:40

आर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिकविभाग
दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग/उत्तर प्रदेश/के सहयोग से
स्थान:-
मुख्य अतिथि :
Fire Fite
A
B
C

आर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिक विभाग
दिव्यागजन सशक्तीकरण विभाग/उत्तर प्रदेश/के सहयोग से
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान ग्राम बहोडाखेडा तहसील ऑवला जिला बरेली
द्वारा संचालित
जिला दिव्याजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
विशाल दिव्याग प्रचार प्रसाद शिविर
स्थानः-
जिला दिव्यागजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
दिनांक
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:36

सीनियर स्पीचथेरेपिस्ट यूनिट
BRAILLE ALPHABET
दिव्यांग हेल्प लाइन
Shot on realme 3i

आर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिक विभाग
A
O X
H V T
X A U
विभाग/उत्तर प्रदेश/के सहयोग से
ग्रामोद्योग सेवा संस्थान ग्राम बहोडाखेडा तहसील ऑवला जिला बरेली
द्वारा संचालित
जिला दिव्याजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
विशाल दिव्याग प्रचार प्रसाद शिविर
स्थान:-
दिव्यागजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ
दिनांक
2
Vivo V11Pro
AI Dual Camera
2019.10.02 09:36

डी0डी0आर0सी0 बदायूँ द्वारा लगाये गये शिविर में चिहिन्त दिव्यांगों का विवरण

क्र.सं.	चिन्हीकरण दिनांक	स्थान का नाम	ब्लाक का नाम	चिन्हित दिव्यांग
30.	15.11.2018	ग्राम पंचायत ज़रीफनगर	सहसवान	22
31.	26.11.2018	ग्राम पंचायत भटपुरा	बिसौली	25
32.	07.12.2018	नगर पंचायत परिसर गुलड़िया	दातागंज	30
33.	15.12.2018	ग्राम पंचायत दबतोरी	आसफपुर	34
		शिविर में योगः–		1083
		डीडीआरसी कार्यालय पर		129
		कुल		1212

डी0डी0आर0सी0 बदायूँ द्वारा लगाये गये शिविर में एवं कार्यालय में कुल 1212 दिव्यांगों का पंजीकरण हुआ, जिनकी दिव्यांगता का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	चिन्हित दिव्यांग की दिव्यांगता का प्रकार	शिविर में	आगन्तुक कार्यालय	दिव्यांग संख्या
1.	एक पैर से	181	23	204
2.	दोनों पैरों से	160	20	180
3.	एक हाथ से	120	20	140
4.	एक हाथ व एक पैर	115	30	145
5.	मन्दबुद्धि	105	15	120
6.	नेत्रहीन	110	08	118
7.	गूंगे बहरे	112	07	119
8.	फालिश फिजियो	180	06	186
	योगः–	1083	129	1212

दिनांक : 09–05–2019

धर्मवीर सिंह
सचिव
SECRETARY
DDRC Badaun

सन्तोष कुमार
डीडीआरओ
DDRO